गुणवत्ता में गिरावट आने के कारण कपास के निर्यात में कमी

425. **श्री रणजीत सिंह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्व बाजार में भारतीय कपास की मांग में कमी आई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि कपास की गुणवत्ता गिरावट आने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में यह कमी महसूस की जा रही है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और देश में उन्नत किस्म की कपास के उत्पादन के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोट) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) सरकार देश में कपास के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार लाने के उद्देश्य से कपास की खेती करने वाले 11 राज्यों में एक गहन कपास विकास कार्यक्रम का त्रियान्वयन कर रही है । सरकार को देश में कपास के लिए गिनिंग और प्रैसिंग उद्योग के आधुनिकीकरण की आवश्यकता के बारे में भी जानकारी है । सरकार ने निर्यात के उद्देश्य से कपास की गांठों की पैकिंग के लिए भी विनिर्देशन भी निर्धारित किए हैं । भारतीय कपास निगम कपास की क्वालिटी को बनाए रखने के उद्देश्य से कपास की विभिन्न किस्मों के प्रमाणित बीजों के उत्पादन और वितरण में भी सहायता प्रदान कर रहा है ।

Setting up of High Powered Committee to Study Developments in Jute Sector

426. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have decided to set up a high powered committee *to* study the current developments in the Jute Sector as reported in a news item published in the 'Financial Express of June 30, 1992 captioned "Top Panel to help revive jute industry".

(b) whether Government are also aware of the need for modernisation and diversification of the jute industry whose reports have recently been reduced due to loss of the erstwhile Soviet Market and decline in domestic off-take due to strike; and

(c) if so, by when the report of the committee is expected to be received and whether the export target for jute for 1992-93 fixed at Rs. 500 crores would be achieved within this period ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) to (c) Government has set up a High Powered Committee under the Chairmanship of Secretary (Textiles) to study the current developments in the jute sector and recommend strategies and policy measures for achieving the twin objectives of modernisation coupled with diversification and export orientation. The Committee has been asked to submit its report by 30th September, 1992. AH efforts are being made to achieve the target of exports of Rs. 500 crores worth of jute during 1992-93.

मध्य प्रदेश में कताई मिलें

427. **श्री अजीत जोगी :**
श्री राजूभाई ए० परमार :

क्या वस्त्र मंत्री 30 मार्च, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 4435 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि मध्य प्रदेश में अब तक स्थापित की गई कताई मिलों का जिला-वार ब्यौरा क्या है ?